>

Title: Reported firing by police on the local people who were trying to help the accident victims at Pandharpur, a pilgrimage site in Maharashtra.

श्री दानवे रावसाहेब पाटील (जालना): महोदय, आपने मुझे इस महत्वपूर्ण विषय पर बोलने की अनुमति प्रदान की, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं।

महोदय, महाराष्ट्र में पंढ़रपुर एक सुविख्यात तीर्थस्थान है, जहां पर वायु मार्ग द्वारा तथा सड़क मार्ग के ज़रिए पूरे वर्ष श्रद्धालुओं का आवागमन बना रहता है। सभी धर्म एवं संप्रदायों को मानने वाले लोग देश के कोने-कोने से यहां आते हैं। असाढ़ी के मौके पर भगवान विट्ठल के दर्शन हेतु महाराष्ट्र के कोने-कोने से पताका-डिंडी लेकर इस तीर्थस्थल पर पैदल चलकर लोग यहां इकट्ठा होते हैं। इस यात्रा क्रम में कुछ लोग अडंदी में जमा होते हैं और पूना तथा जजूरी होते हुए पंढ़रपुर पहुंचते हैं। इनको ज्ञानदेव माउली की डिंडी के नाम से दिंडी जाना जाता है।

महोदय, इसी तरह दूसरी डिंडी विदर्भ क्षेत्र से निकलती है तथा वह खामगांव, जालना, अंबड़ तथा बीड़ होते हुए पंढ़रपुर पहुंचती है। बड़ी संख्या में शामिल श्रद्धालु बहुत अनुशासन और संयम धारण करके हर साल यहां पहुंचते हैं।

महोदय, इस साल 25 जुलाई को यह डिंडी लेकर वापस लौटते हुए श्रद्धालु अंबड़ के पास परिनर भोजन करके सड़क किनारे ठहरे थे, उनको एक तेज रफ्तार ट्रक ने कुचल दिया, जिसमें तेरह श्रद्धालुओं की मृत्यु हो गई।

MR. CHAIRMAN: This is a state subject.

श्री दानवे रावसाहेब पाटील (जालना): महोदय, अन्य कई श्रद्धालु जख्मी हो गए। इस दुर्घटना की सूचना आसपास के गांवों के लोगों को पहुंची और स्थानीय लोग घायलों की मदद हेतु वहां पहुंचे, जिन पर पुलिस ने गोली चलाई, जिससे मौके पर ही दो लोगों की मृत्यु हो गई तथा निहत्थे लोगों पर पुलिस की इस दमनपूर्ण कार्यवाही में 42 लोग घायल हुए।

आपके माध्यम से मेरा सरकार से निवेदन है कि घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराई जाए तथा दोषी व्यक्तियों को न बख्शा जाए। मेरी आपके माध्यम से विनती है कि यह रास्ता छह पदरी बनाया जाए और जिन श्रद्धालुओं की इस हादसे में मुत्यु हो गई है, उनको पांच लाख और घायलों को दो लाख रुपए मुआवजा दिया जाए और निरापराधों को इसमें न फंसाया जाए।